O.S.D.A.V.Public School, Kaithal
PT I Exam (2025 -26)
Subject : HINDI
Class : IX (SET-A)

Time:- M.M.:- 30

सामान्य निर्देश :

I. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |

II. उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए , जो प्रश्न पत्र में दी गई है |

III. लेख सुंदर व स्पष्ट लिखें |

Q.No.	Questions	Marks
प्रश्न1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** जीवन का कोई भी रास्ता सफल अथवा निर्बाध नहीं होता	कामयाबी के हर रास्ते पर कई मुश्किलों का आना तय है	हर बड़ी सफलता के पीछे कई छोटी-छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं	किसी बड़े पत्थर के टुकड़े करने के लिए हमें उस पर असंख्य प्रहार करने पड़ते हैं	अंत में ऐसा प्रहार होता है कि वह पत्थर को दो टुकड़ों में बाँट देता है	लेकिन क्या अंतिम प्रहार से पहले किए गए सारे प्रहार निरर्थक थे ? नहीं	ऊपर से बेशक पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो लेकिन हर प्रहार पूरी तरह सार्थक था क्योंकि उन प्रहारों में ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी हुई थी	हर चोट ने निरंतर उस पत्थर को टूटने के अधिकाधिक निकट ला दिया था	वास्तव में थोड़ी – बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं	व्यक्ति अपनी सफलताओं की बजाय असफलताओं से सीखता है	हर असफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है	सफलता के बाद हम कभी अपना पुनर्मूल्यांकन नहीं करते	समस्या आए बगैर हम रास्ता नहीं खोजते	समस्याएँ ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती हैं , हमें चिंतनशील बनाती हैं , हममें धैर्य का विकास करती हैं	ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं	उसके बाद ही नए सिरे से आगे बढ़ने के लिए अपनी क्षमता का विकास करते हैं	जीवन की हर असफलता किसी बड़ी सफलता का आधार बनती है | **क. कामयाबी के हर रास्ते पर किसका आना तय है ?** **(i)** मित्र **(ii)** मुश्किलें **(iii)**भाई-बंधु **(iv)** नदी-पर्वत **ख. हर बड़ी सफलता के पीछे क्या छिपा होता है ?** **(i)**भाग्य **(ii)**दूसरों की मदद **(iii)** अनेक छोटी-छोटी असफलताएँ **(iv)** ढेरों अवसर **ग. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए** – **कथन (A) :** व्यक्ति अपनी असफलता से सीखता है | **कारण (R) :** असफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है | **(i)** कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है। **(ii)** कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। **(iii)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। **(iv)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1X5=5

	घ. समस्याएँ हमें क्या करने के लिए प्रेरित करती हैं ? ङ.हम कब अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं ?	
प्रश्न2.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :-** क.**' परिचर्या '** शब्द में उपसर्ग व मूलशब्द अलग कीजिए | ख.**निर् उपसर्ग** जोड़कर दो नए शब्द बनाइए|	**2**
प्रश्न3.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :-** क.**' धार्मिक '** शब्द में मूलशब्द व प्रत्यय अलग कीजिए | ख.**'ईय प्रत्यय'** को जोड़कर दो नए शब्द बनाइए|	**2**
प्रश्न4.	**क.**दिए गए समस्तपद का **विग्रह कर समास का नाम** लिखिए – दोपहर **ख.** विग्रह किए गए पद का **समस्त पद बनाकर समास का नाम** लिखिए – ऋषि और मुनि	**2**
प्रश्न5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे | एक , दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था , हम नहीं कह सकते | अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी , जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है | दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते , कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे – विग्रह के नाते से नहीं , केवल विनोद के भाव से , आत्मीयता के भाव से , जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है | इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी , कुछ हलकी – सी रहती है , जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता | क.दोनों बैल आपस में कैसे विचार-विनिमय करते थे ? (i) मूक भाषा में (ii) आपस में बोलकर (iii) एक-दूसरे को देखकर (iv) एक-दूसरे के पीछे भागकर ख.जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य किससे वंचित है ? (i) बुद्धि से (ii) वाणी से (iii) संवेदना से (iv) मन की बात समझने की गुप्त शक्ति ग. दोनों बैल आपस में अपना प्रेम कैसे प्रकट करते थे ? घ. उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है तथा लेखक का नाम भी लिखिए |	**1X4=4**
प्रश्न6.	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** काबा फिरि कासी भया , रामहिं भया रहीम । मोट चून मैदा भया , बैठि कबीरा जीम ॥ क. कवि काबा और कासी के माध्यम से क्या प्रकट करना चाहता है ? (1) परमात्मा सभी धार्मिक स्थलों में प्राप्त होता है। (ii) परमात्मा किसी विशेष धार्मिक स्थलों पर प्राप्त नहीं होता । (iii) परमात्मा केवल काबा और कासी में ही रहना पसंद करता है । (iv) इनमें से कोई नहीं । 2. 'परमात्मा सभी धर्मों में एक है ।' किन शब्दों से प्रकट होता है? (1) कासी-काबा (ii) चून-मैदा (iii) राम-रहीम (iv) जीम-रहीम ग. मोटा आटा किसमें बदल जाता है ?	**4**

	घ. उपर्युक्त पद्यांश के कवि का नाम क्या है?	
प्रश्न7.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** क.पाठ ' ल्हासा की ओर' के आधार पर सुमति के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ? ख. लेखक ने शेकर विहार में सुमति को यजमानों के पास जाने से रोका परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया ? ग. मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूँढता फिरता है ?	**2X3=6**
प्रश्न8.	**दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए :-** स्वदेश प्रेम , मेरे जीवन का	5

O.S.D.A.V.Public School, Kaithal
PT I Exam (2025 -26)
Subject : HINDI
Class : IX (SET-B)

Time:- **M.M.:- 30**

सामान्य निर्देश :

I. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |
II. उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए , जो प्रश्न पत्र में दी गई है |
III. लेख सुंदर व स्पष्ट लिखें |

Q.No.	Questions	Marks
प्रश्न1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत। विना विचारे कार्य करने वाला जीवन-भर नौ-नौ आँसू रोया करता है। अतः कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व भली प्रकार से सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए। जिस प्रकार मुँह से निकली बात, कमान में छूटा तीर वापिस नहीं आते, उसी प्रकार बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। अतः उचित समय पर उचित निर्णय करना ही मानव का परम कर्तव्य है। विचारपूर्वक आगे बढ़ना ही सफलता का मूल मंत्र है। गलती करके पश्चाताप करना तो एक गलती के ऊपर दूसरी गलती करना है | जो बात हो चुकी उस पर चिंता करना, खेद करना, पश्चाताप करना व्यर्थ है ; क्योंकि इससे कोई लाभ है ही नहीं। यदि पृथ्वीराज, मोहम्मद गौरी के विषैले दाँतों को पहली बार हराते ही तोड़ देता, तो भारत का इतिहास कुछ और ही होता। कैकेयी के अविवेकपूर्ण निर्णय से न केवल उसे वैधव्य ही झेलना पड़ा, बल्कि यह सामाजिक निंदा का शिकार भी बनी। उसने पश्चाताप-स्वरूप राम को वापस लाने का प्रयास किया किंतु सब व्यर्थ। रावण जैसे पराक्रमी शिवभक्त राजा ने अविवेक के कारण सीताहरण कर लिया और उसकी यही भूल उसके लिए ही नहीं, बल्कि उसके समस्त परिवार के लिए विनाश का कारण बनी। निष्कर्ष-स्वरूप कहा जा सकता है कि बिना सोचे व विचार किए कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि उसका परिणाम अमंगलकारी होता है। **क. 1. 'अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत' लोकोक्ति का अर्थ बताइए-** (i) जब चिड़िया ने सारा खेत खा लिया तब भगाने का क्या लाभ (ii) अगर समय रहते चिड़िया को भगा दिया होता तो वह खेत नहीं चुगती (iii) अब पछताना व्यर्थ है क्योंकि चिड़िया तो अपना काम कर गई | (iv) अवसर निकलने पर पछताने का कोई फायदा नहीं। **ख. 2. गलती करके पश्चाताप करना किसके समान है ?** (i) सकारात्मक सोच के (ii) एक गलती के बाद दूसरी गलती करने के (iii) गुनाह करके मन मसोसने के (iv) गलती करने पर भी खुश होने के **कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –** **अभिकथन (A):** बिना सोच-विचार किए किया गया कार्य प्रायः हानिकारक सिद्ध होता है। **कारण (R):** क्योंकि बीता हुआ समय, मुँह से निकली बात और छोड़ा हुआ बाण कभी वापस नहीं आते। (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (B) A और R दोनों सही हैं, किंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता। (C) A सही है, किंतु R गलत है। (D) A गलत है, किंतु R सही है। घ.अविवेक के कारण रावण ने कौन सी एक भूल कर दी ? ड.किस कार्य का परिणाम अमंगलकारी होता है ?	1X5=5

प्रश्न2.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :-** क**. ' अपशब्द '** शब्द में उपसर्ग व मूलशब्द अलग कीजिए | ख**. निर् उपसर्ग** जोड़कर दो नए शब्द बनाइए |	2
प्रश्न3.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :-** क**. ' पारिवारिक '** शब्द में मूलशब्द व प्रत्यय अलग कीजिए | ख**. 'ईय' प्रत्यय** को जोड़कर दो नए शब्द बनाइए |।	2
प्रश्न4.	**क.** दिए गए समस्तपद का **विग्रह कर समास का नाम** लिखिए – नवग्रह **ख.** विग्रह किए गए पद का **समस्त पद बनाकर समास का नाम** लिखिए – सुख और दुःख	2
प्रश्न5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती , तो झूरी से पूछते – तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो ? हमने तो तुम्हारी सेवा करने में कोई कसर नहीं उठा रखी | अगर इतनी मेहनत से काम नहीं चलता था तो और काम ले लेते | हमें तो तुम्हारी चाकरी में मर जाना कबूल था | हमने कभी दाने- चारे की शिकायत नहीं की | तुमने जो कुछ खिलाया , वह सर झुका कर खा लिया , फिर तुमने हमें इस जालिम के हाथ क्यों बेच दिया ? क. इस गद्यांश के अनुसार कौन परेशान दिखाई दे रहा है ? (i) मोती (ii) हीरा (iii) हीरा-मोती दोनों (iv) इनमें से कोई नहीं ख. हीरा-मोती का झूरी के प्रति कैसा भाव था ? (i) स्नेह का (ii) क्रोध का (iii) नफरत का (iv) डर का ग. बैल झूरी से क्या पूछने की बात सोच रहे हैं ? घ. उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है तथा उसके लेखक कौन है ?	1X4=4
प्रश्न6.	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ । सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोइ ।। क. कबीर ने किस व्यक्ति को 'ऊँचा' माना है ? (1) जिसमें गुण-अवगुण दोनों हों । (ii) जिसने ऊँचे कुल में जन्म लिया हो । (iii) जो अवगुणों से भरा हो । (iv) जिसके कर्म अच्छे हों । 2 ऊँचे कुल से कवि का क्या आशय है ? (1) जो राजाओं के यहाँ जन्मा हो (ii) जो राजाओं के यहाँ नौकर हो (iii) श्रेष्ठ व आर्थिक रूप से संपन्न सामाजिक परिवार (iv) जिसके मस्त-मौला हो ग.सोने का कलश कब बुरा माना जाता है ? घ. उपर्युक्त पद्यांश के कवि का नाम क्या है?	4
प्रश्न7.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** क. लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस प्रकार पिछड़ गया ? ख. लेखक ने शेकर विहार में सुमति को यजमानों के पास जाने से रोका परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया ? ग. कबीर ने ईश्वर को सब स्वांसों की स्वाँस में क्यों कहा है ?	2X3=6
प्रश्न8.	**दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए :-** स्वदेश प्रेम , पराधीन सपनेहूँ सुख नाहि	5

OSDAV Public School, Kaithal
Unit Test 1 (May, 2025)
Class: IX(A)
Subject: Hindi

M.M -30

Q. No.	Questions	Marks
1.	**अपठित गद्यांश -** **(क) (ii)** मुश्किलें **(ख) (iii)** अनेक छोटी-छोटी असफलताएँ **(ग) (iv)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। **(घ)** समस्याएँ ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती हैं , हमें चिंतनशील बनाती हैं , हममें धैर्य का विकास करती हैं | **(ङ)** ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं |	**1×5=5**
2.	**उपसर्ग –** **क. परि + चर्चा** **ख. निर्बल , निर्गुण, निर्धन , निर्जन ……. इत्यादि |**	1×**2**=**2**
3.	**प्रत्यय –** **क. धर्म + इक** **ख.भारतीय , स्वर्गीय , पठनीय ……. इत्यादि |**	1×**2**=**2**
4.	**समास –** **क. दो + पहर (द्विगु समास)** **ख. ऋषि – मुनि (द्वंद्व समास)**	1×**2**=**2**

5.	**पठित गद्यांश –** **क.** (i) मूक भाषा में **ख.** (iv) मन की बात समझने की गुप्त शक्ति **ग.** दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते , कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे | **घ.** दो बैलों की कथा – श्री मुंशी प्रेम चंद	**1×4=4**
6.	**पठित गद्यांश –** **क.**(ii) परमात्मा किसी विशेष धार्मिक स्थलों पर प्राप्त नहीं होता । **ख.** (iii) राम-रहीम **ग.** मोटा आटा मैदे में बदल जाता है ? **घ.** कबीर जी	**1×4=4**
7.	**प्रश्नों के उत्तर –** **क.**मिलनसार , व्यवहार कुशल , मृदुभाषी , अच्छे सहयात्री , समय के पाबंद **......** इसके अतिरिक्त अन्य सही उत्तर भी स्वीकृत किए जाएँ | **ख.** दूसरी बार लेखक ने सुमति को यजमानों के पास जाने से इसलिए नहीं रोका क्योंकि वहाँ एक मंदिर में उसे बुद्ध वचन की एक सौ तीन पोथियाँ मिल गई थी | इनमें से एक-एक पोथी पंद्रह-पंद्रह सेर से कम नहीं थी | वह इन पोथियों के पठन-पाठन में लीन हो गया था | **ग.** काबा , कासी , कैलाश, देवालय **..........** इसके अतिरिक्त अन्य सही उत्तर भी स्वीकृत किए जाएँ |	**2×3=6**
8.	**अनुच्छेद** **विषय वस्तु** **भाषायी शुद्धता**	5

OSDAV Public School, Kaithal
Unit Test 1 (May, 2025)
Class: IX (SET-B)
Subject: Hindi

M.M -30

Q. No.	Questions	Marks
1.	**अपठित गद्यांश -** **(क) (iv)** अवसर निकलने पर पछताने का कोई फायदा नहीं। **(ख) (ii)** एक गलती के बाद दूसरी गलती करने के **(ग)** (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। **(घ)** रावण जैसे पराक्रमी शिवभक्त राजा ने अविवेक के कारण सीताहरण कर लिया | **(ङ)** बिना सोचे व विचारे किए गए कार्य का परिणाम अमंगलकारी होता है।	**1×5=5**
2.	**उपसर्ग –** **क. अप + शब्द** **ख. निर्बल , निर्गुण, निर्धन , निर्जन ……. इत्यादि |**	1×2=2
3.	**प्रत्यय –** **क. परिवार + इक** **ख.भारतीय , स्वर्गीय , पठनीय ……. इत्यादि |**	1×2=2
4.	**समास –** **क. नव + ग्रह (द्विगु समास)** **ख. सुख – दुख (द्वंद्व समास)**	1×2=2
5.	**पठित गद्यांश –** **क.** (i) मोती **ख.** (i) स्नेह का **ग.** तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो ? **घ.** दो बैलों की कथा – श्री मुंशी प्रेम चंद	**1×4=4**

6.	**पठित गद्यांश –** **क.** (iv) जिसके कर्म अच्छे हों । **ख.** (iii) श्रेष्ठ व आर्थिक रूप से संपन्न सामाजिक परिवार **ग.** सोने का कलश तब बुरा माना जाता है जब उसमें शराब भर दी जाए | **घ.** कबीर जी	**1×4=4**
7.	**प्रश्नों के उत्तर –** **क.** लेखक लड्.कोर के मार्ग में अपने साथियों से इस कारण पिछड़ गया था क्योंकि उसका घोड़ा धीरे-धीरे चल रहा था । जब वह घोड़े को जोर देने लगता तो उसका घोड़ा और अधिक सुस्त हो जाता था । जहाँ दो रास्ते फूट रहे थे वहाँ से वह बाएँ रास्ते पर मील-डेढ़ मील चला गया तो उसे पता चला कि वह गलत रास्ते पर जा रहा है । लड्.कोर का रास्ता तो दाहिने वाला था । वहाँ से लौटकर उसने सही रास्ता पकड़ा। इस प्रकार वह साथियों से पिछड़ता गया । **ख.** दूसरी बार लेखक ने सुमति को यजमानों के पास जाने से इसलिए नहीं रोका क्योंकि वहाँ एक मंदिर में उसे बुद्ध वचन की एक सौ तीन पोथियाँ मिल गई थी | इनमें से एक-एक पोथी पंद्रह-पंद्रह सेर से कम नहीं थी | वह इन पोथियों के पठन-पाठन में लीन हो गया था | **ग.** कबीर ने ईश्वर को सब स्वांसों की स्वाँस में इसलिए कहा है क्योंकि ईश्वर मनुष्य के हृदय में बसता है , उसे कहीं बाहर खोजने की ज़रूरत नहीं है |	**2×3=6**
8.	**अनुच्छेद** **विषय वस्तु** **भाषायी शुद्धता**	5